सुन नाथ अरज़ अब मेरी मैं शरण पड़ा प्रभु तेरी

सुन नाथ अरज अब मेरी,
में शरण पड़ा प्रभु तेरी ,

तुम मानुष तन मोहे दीन्हा,
भजन नही तुम्हरौ कीन्हा,
विषयों ने लई मति घेरी ,
में शरण पड़ा प्रभु तेरी ,

सुत दारादिक यह परिवारा,
सब स्वारथ का है संसारा,
जिन हेतु पाप किये ढेरी,
में शरण पड़ा प्रभु तेरी ,

माया में ये जीव भुलाना ,
रूप नही पर तुम्हरौ जाना ,
पड़ा जन्म मरण की फेरी,
में शरण पड़ा प्रभु तेरी ,

भवसागर में नीर अपारा ,
मोहे कृपालु प्रभु कर उबारा ,
ब्रह्मानंद करो नही देरी ,
में शरण पड़ा प्रभु तेरी ,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/20902/title/sun-nath-raaz-ab-meri-mein-sharan-pada-prabhu-teri

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |